मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MVS–008

एम. ए. (वैदिक अध्ययन)

(एम.ए.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.वी.एस.-008 : वैदिक गणित एवं सृष्टिविज्ञान

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों के निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए। हिन्दी* ***अथवा*** *संस्कृत* ***अथवा*** *अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *अधोलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए।* $3 \times 20 = 60$

1. गणित के विस्तार में गणितज्ञ आर्यभट्ट के योगदान को वर्णित कीजिए।

2. ब्रह्मस्फुट सिद्धान्त के रचनाकार कौन हैं ? इस सिद्धान्त के प्रमुख विषयों का वर्णन कीजिए।

3. श्रीपति एवं कमलाकर भट्ट का गणितज्ञ के रूप में विस्तृत विवेचन कीजिए।

4. 'भारतीय बीजगणितज्ञ महावीर आचार्य का बीजगणित में योगदान' का वर्णन कीजिए।

5. वैदिक बीजगणित में किन्हीं **दो** सूत्रों–उपसूत्रों के अनुप्रयोगों को उदाहरण सहित लिखिए।

6. श्रीनिवासरामानुजन् के जीवनवृत्त पर विस्तृत विवेचन कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश– *निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. वैदिक गणित के प्रमुख सिद्धान्तों पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

2. आचार्य भास्कर का परिचय लिखिए।

3. जैन दर्शन में गणित के स्वरूप को संक्षिप्त रूप में वर्णित कीजिए।

4. कात्यायन शुल्ब सूत्र का सारांश लिखिए।

5. स्वामी भारतीकृष्ण तीर्थ के द्वारा रचित सोलह सूत्रों पर व्याख्या कीजिए।

6. वैदिक शुल्ब सूत्रों में वर्णित वेदियों का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए।

7. बौद्ध साहित्य के दीर्घनिकाय एवं विनयपिटक का सारांश लिखिए।

× × × × ×